संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 2 • फरवरी 2025

Volume 3 • Issue 2 • February, 2025

पुनरूत्थान काल में कला-चिंतन

मध्ययुगीन कला के पश्चात् पुनरूत्थान (रेनासाँ) काल में पश्चिमी कला को अलग आयाम प्राप्त हुए। मध्ययुगीन मनुष्य के लिए प्राकृतिक विश्व किसी आईने की तरह था। गिरिजाघरों की बनावट तथा पांडुलिपि उनके लिए इस प्रकार के आईने थे, जहाँ ईश्वर निवास करते थे। गिरिजाघरों का निर्माण परम-परमेश्वर से संबंधित था। उन्होंने परमेश्वर के अलावा सौंदर्य का विचार कभी नहीं किया। प्रकृति, सौंदर्य एवं बायबल उनके लिए सर्वोकृष्ट ज्ञान के आईने थे। सर्वोच्च ज्ञान उनके लिए इसी में निश्चित था। किन्तु आधुनिक मनुष्य चित्रकला एवं काव्य में भी सौंदर्य देखता है। उसकी भूमिका उस अध्यात्म से दूर ले जाती है। कला का संबंध वह पूर्णतः ईश्वर से जुड़ा नहीं मानता। उस चित्रकला एवं काव्य में भी सौंदर्य प्रतीत होता है। आईना प्रकृति को प्रतिबिम्बित करता है ईश्वर को नहीं, यह आधुनिक मनुष्य की मान्यता है।

लिओनार्दो ने आईने की तुलना चित्रकार के मस्तिष्क से की है, उसके चित्र से नहीं। उनका कहना था कि चित्रकार का मस्तिष्क किसी ऐसे आईने की तरह होना चाहिए, जिसमें वस्तुओं के रंगों का ग्रहण होता है। वस्तु जो प्रतिबिम्ब दिखाते हैं उन सभी प्रतिबिम्बों को मनुष्य का मस्तिष्क रूपी दर्पण आत्मसात करता है। इस युग के विद्वानों का स्पष्ट प्रतिपादन है कि कला सामान्य जीवन तथा सत्यता को प्रतिबिम्बित करने वाला एक दर्पण है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

फरवरी 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● एनईपी-2020 के अनुरूप 498वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(06 से 26 फरवरी 2025, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद ने 6 से 26 फरवरी 2025 तक "एनईपी-2020 के अनुरूप 498वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम" आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में छह राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 70 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता पैदा करना और शिक्षण में सांस्कृतिक घटकों को शामिल करने की विधियों को विकसित करना था। यह कार्यक्रम एनईपी-2020 की दृष्टि के अनुरूप सांस्कृतिक शिक्षा को मुख्यधारा की पद्धति में समाहित करने पर केंद्रित था।

प्रशिक्षण में कला शिक्षा, हिंदुस्तानी एवं कर्नाटिक संगीत, भारतीय रंगमंच, पारंपरिक चित्रकला, और शिक्षण उपकरण के रूप में कहानी कहने की भूमिका पर विशेष व्याख्यान एवं चर्चाएँ आयोजित की गईं। कठपुतली, रंगमंच अध्ययन और बहुभाषिकता के संज्ञानात्मक विकास पर प्रभाव जैसे अनुभवपरक शिक्षण तकनीकों पर जोर दिया गया।

प्रतिभागियों को पुरातत्व और वास्तुकला पर केंद्रित सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया, जिसे सालारजंग संग्रहालय, कुतुब शाही मकबरे, गोलकुंडा किला और नेहरू प्राणी उद्यान की शैक्षिक यात्राओं से और भी मजबूत किया गया। हस्तशिल्प पर आधारित शिक्षण में मधुबनी चित्रकला, बांधनी, मिट्टी के बर्तन और एप्लिक आर्ट कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों को रचनात्मकता एवं सतत विकास की शिक्षा दी गई।

इसके अतिरिक्त, शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों जैसे कि संग्रहालय-आधारित शिक्षण, माइम और मूवमेंट तकनीकों और सांस्कृतिक संरक्षण में मीडिया की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सतत जीवन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चाओं द्वारा पर्यावरणीय जागरूकता भी बढ़ाई गई।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा अपने-अपने राज्यों की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन रहा, जिससे विविधता में एकता का संदेश मिला। प्रशिक्षण का समापन शिक्षकों की भूमिका और एनईपी-2020 के तहत सांस्कृतिक शिक्षा की महत्ता पर चर्चा के साथ हुआ, जिससे वे अपने शिक्षण में सांस्कृतिक घटकों को प्रभावी रूप से सम्मिलित करने के लिए प्रेरित हुए।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 499वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(17 से 28 फरवरी 2025, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर)

सीसीआरटी ने 17 से 28 फरवरी 2025 तक अपने क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर में 499वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस 12-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, इसकी विविधता और निरंतरता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा शिक्षा में सांस्कृतिक घटकों के समावेश को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में 14 राज्यों के 64 शिक्षक प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली, विद्यालयी शिक्षा में लैंगिक समानता, कला एकीकरण, प्रदर्शनकारी कलाएँ, मूर्त एवं अमूर्त विरासत और सतत जीवन पद्धति जैसे विषयों पर सैद्धांतिक सत्र आयोजित किए गए। विख्यात शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों जैसे कि डॉ. व्योम सिंह बोलिया, प्रो. सीमा मलिक, डॉ. राहुल कुमार आदि ने इन विषयों पर व्याख्यान दिए।

व्यावहारिक सत्रों में प्रतिभागियों को बांधनी, मिट्टी के बर्तन, मांड़ना, और मैक्रेम जैसे पारंपरिक शिल्पों का अनुभव प्रदान किया गया। संचार कौशल सुधारने और कला-आधारित शिक्षण को अपनाने पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने लोक और शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक नृत्य रूपों को सीखा तथा सांस्कृतिक शिक्षा को अपनी शिक्षण पद्धति में एकीकृत करने के नए तरीकों पर चर्चा की।

प्रयोगात्मक शिक्षण के अंतर्गत प्रतिभागियों को मोती मगरी, भारतीय लोक कला मंडल, सहेलियों की बाड़ी और शिल्पग्राम जैसी विरासत स्थलों की शैक्षिक यात्रा कराई गई। उन्होंने अपने विषयों को सांस्कृतिक घटकों से जोड़ते हुए पाठ योजनाएँ तैयार कीं। इसके अतिरिक्त, सीसीआरटी ने प्रतिभागियों को शैक्षिक किट और दृश्य-श्रव्य सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. राहुल कुमार, उपनिदेशक (प्रशिक्षण), सीसीआरटी ने शिक्षकों की सांस्कृतिक शिक्षा में भूमिका को रेखांकित किया और उन्हें अपने संस्थानों में इस प्रशिक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रेरित किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों से आए शिक्षकों के लिए एक साझा सीखने का मंच बना, जिससे सहयोगी शिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। इस पहल के माध्यम से सीसीआरटी एनईपी-2020 के अनुरूप आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सांस्कृतिक विरासत को एकीकृत करने के अपने प्रयासों को निरंतर सशक्त कर रहा है।

● 'स्कूली शिक्षा में शिल्प कौशल को एकीकृत करना' विषय पर कार्यशाला

क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा 04 से 13 फरवरी 2025 तक 'स्कूली शिक्षा में शिल्प कौशल को एकीकृत करना' विषय पर सीसीआरटी की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 08 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, स्वागत भाषण और संस्थागत वीडियो देखने पर व्यावहारिक सत्रों के साथ हुई, जिसके बाद स्कूलों में सांस्कृतिक शिक्षा में सीसीआरटी की पहल और कार्यशाला के उद्देश्यों पर चर्चा हुई।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के अंतर्गत क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक सीसीआरटी द्वारा 15 से 22 फरवरी 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति के लिए 787 नए आवेदकों का साक्षात्कार करना और असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम के 144 मौजूदा छात्रवृत्ति धारकों की प्रगति की समीक्षा करना था। आरएससी बैठक के दौरान सीसीआरटी अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर ने भी 19-02-2025 को आरएससी बैठक के दौरान क्षेत्रीय केन्द्र गुवाहाटी का दौरा किया।

- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के अंतर्गत क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक 06 से 12 फरवरी, 2025 तक कोलकाता में रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोल पार्क में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति के लिए 657 नए आवेदकों का साक्षात्कार करना था। बैठक में पश्चिम बंगाल के 155 मौजूदा छात्रवृत्ति धारकों की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

- सीसीआरटी 13 से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में "कल्चरल क्यूरेशन" का एक हिस्सा था और सीसीआरटी की 02 टीमों ने 08-09 फरवरी को त्रिवेणी मंच, महाकुंभ मेला 2025 में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

नवराष्ट्र
www.navarashtra.com

कुंभमेळ्यात मऱ्हेगावच्या दंडारीचे सादरीकरण

सांस्कृतिक

लाखनी, (श.प्र.). प्रयागराज येथील कुंभमेळ्यात भंडारा जिल्ह्यातील मऱ्हेगाव येथील लोककलावंतांना दंडार सादर करण्याची संधी प्राप्त झाली आहे. विदर्भ शाहीर कलाकार परिषद शाखा भंडारा, स्व. सुलोचना पारधीकर बहुद्देशीय संस्था मासलमेटा यांच्या माध्यमातून लाखनी तालुक्यातील मऱ्हेगांव येथील दंडार मंडळ प्रयागराज कुंभमेळ्यात शनिवारी (दि. ८) फेब्रुवारी सायंकाळी सादरीकरण करतील. महाराष्ट्राची पारंपारिक पूर्व विदर्भातील झाडीबोली सांस्कृतिक लोककला भारतभर पोहोचली आहे. प्रयागराज कुंभमेळ्यात सांस्कृतिक कार्यक्रमाच्या आयोजनाचे निमंत्रण प्राप्त झाले होते. संस्थाध्यक्ष डॉ. रामनाथजी पारधीकर यांच्या नेतृत्वाखाली जय दुर्गा शक्ती दंडार मंडळाची चमू दंडारीचे सादरीकरण करणार आहे. विदर्भ शाहीर कलाकार परिषद भंडारा, स्व. सुलोचना पारधीकर बहुद्देशीय संस्थेचे संस्थापक व जिल्हाध्यक्ष डॉ. रामनाथ पारधीकर हे आपल्या सहकारी दंडार मंडळाचे अध्यक्ष शाहीर प्रेमराज गोटेफोडे व कार्यकर्त्यांना सोबत घेऊन रवाना झाले आहेत.

Bhandara Plus Edition
Feb 07, 2025 Page No. 2
Powered by: Navarashtra.com

लोकमत

प्रयागराजला रवाना

लोकमत न्यूज नेटवर्क

लाखनी : विदर्भ शाहीर कलाकार परिषद शाखा भंडारा व स्व. सुलोचना पारधीकर बहुउद्देशीय संस्था मासलमेटाच्या सौजन्याने महाराष्ट्राची पारंपरिक झाडीबोली लोककला अख्ख्या भारतभर गाजत आहे. त्यातीलच एक भाग म्हणून प्रयागराज कुंभमेळा (उत्तराखंड) येथे ग्रुप लिडर डॉ. रामनाथ पारधीकर यांच्या नेतृत्वाखाली जय दुर्गा शक्ती दंडार मंडळ मऱ्हेगाव येथील दंडारीचे प्रयागराज कुंभमेळा येथे सांस्कृतिक कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले आहे. त्यामध्ये दंडारीचे सादरीकरण करणार आहेत.

Hello Bhandara
Page No. 3 Feb 06, 2025
Powered by: erelego.com

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली	19 फरवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जिला परिषद हाई स्कूल, पीरजादीगुडा, मण्डल मेडिपल्ली, जिला मेडचल, तेलंगाना	10–12 फरवरी 2025
2.	एम.पी. हाई स्कूल, चेंगिचेर्ला, मण्डल मेडिपल्ली, जिला मेडचल, तेलंगाना	13–15 फरवरी 2025
3.	एम.पी. हाई स्कूल, चिल्कानगर, मण्डल उप्पल, जिला मेडचल, तेलंगाना	19–21 फरवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	पीएम श्री राजकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर	6–8 फरवरी 2025
2.	महात्मा गांधी राजकीय स्कूल, उदयपुर	12–14 फरवरी 2025
3.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, वर्दा, उदयपुर	12–14 फरवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सरायघाट हाई स्कूल गुवाहाटी, असम	5–7 फरवरी 2025
2.	पब गुवाहाटी हाई स्कूल गुवाहाटी, असम	5–7 फरवरी 2025
3.	टी.सी. राजकीय कन्या एच.एस. एवं एम.पी. स्कूल, गुवाहाटी, असम	5–7 फरवरी 2025
4.	टेटेलिया हाई स्कूल गुवाहाटी, असम	13–15 फरवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय ईपीएस स्कूल, बकायनी, दमोह	06–08 फरवरी 2025
2.	राजकीय स्कूल, सलैया, दमोह	06–08 फरवरी 2025
3.	राजकीय ईपीएस, स्कूल, सगोनी, दमोह	13–15 फरवरी 2025
4.	राजकीय मिडिल स्कूल, खजरी, दमोह	13–15 फरवरी 2025
5.	शासकीय विद्यालय, धनगुआ, दमोह	13–15 फरवरी 2025
6.	राजकीय विद्यालय, शाला भूरी, दमोह	17–19 फरवरी 2025

फरवरी 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 3312 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

• 'स्कूली शिक्षा में शिल्प कौशल को एकीकृत करना' पर कार्यशाला

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में 24-28 फरवरी 2025 तक "रचनात्मक कठपुतली की विरासत" पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों - गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, असम, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब और उत्तर प्रदेश से कुल 49 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

• "सांस्कृतिक शिक्षा में सीसीआरटी की भूमिका" पर कार्यशाला

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में 11-15 फरवरी 2025 तक "सांस्कृतिक शिक्षा में सीसीआरटी की भूमिका" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 12 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक क्लब के 23 प्रभारी शिक्षकों ने भाग लिया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर